

प्रेषक

पी०के०महान्ति

सचिव

उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में

आयुक्त

ग्राम्य विकास

उत्तराखण्ड पीडी।

ग्राम्य विकास अनुभाग:

देहरादून:

दिनांक³⁰ मार्च, 2007

विषय: उत्तराखण्ड सूक्ष्म वित्त एवं आजीविका विकास सहकारी संस्थान को सार्वभौम योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2006-07 में धनराशि का आवंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या 79/56(23)/2006 दिनांक मार्च, 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य में नव गठित " उत्तराखण्ड सूक्ष्म वित्त एवं आजीविका विकास सहकारी संस्थान के संचालन हेतु रुपये 5.00 करोड़ (रु० पांच करोड़ मात्र) की धनराशि सार्वभौम योजना के अन्तर्गत श्री राज्यपाल महोदय वर्य हेतु आपके निर्वहन पर निम्न शर्तों / प्रतिबन्धों के अन्तर्गत रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 के अध्याय 16-ए में निहित अनुदान की शर्तों का पालन करना सुनिश्चित करें।

3. यह एक बार का अनुदान है। दुबारा कोई अनुदान⁹ दिय नहीं होगा। धनराशि का दोहरा आहरण होने की स्थिति में संबंधित आहरण वितरण अधिकारी का पूर्ण उत्तरदायित्व होगा।

4- उक्त धनराशि का आवंटन वर्तमान नियमों/आदेशों तथा निर्धारित मानकों के अनुसार किया जायेगा धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जायेगा।

5- योजना का संचालन योजना के संबंध में जारी मार्ग निर्देशों / जारी होने वाले मार्ग निर्देशों एवं शासनादेशों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा।

6- राज्य के अन्तर्गत स्वरोजगार के संबंध में भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा अन्य योजनायें भी संचालित की जा रही हैं अतः इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये कि एक योजना के लाभार्थियों की पुनरावृत्ति (Duplicasy) दूसरी योजना में न होने पाये। इस हेतु प्रत्येक योजना की अलग-अलग इन्वेन्ट्री तैयार कर सदैव अद्यतन रखी जाये।

7- कार्य करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, स्टोर चैक रूलस/ डी.जी.एस. एन डी. अथवा टैन्टर/कुटेशन विषयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

8- योजना में कम से कम 19 प्रतिशत अनुसूचित जातियों, 04 प्रतिशत अनुसूचित जन जाति, 33 प्रतिशत महिलाओं एवं 03 प्रतिशत विधवाओं को लाभान्वित किया जायेगा।

9- उक्त पैरा 2 से 9 तक में उल्लिखित शर्तों का अनुपालन विभाग में तैनात वित्त नियंत्रक मुख्य/वरिष्ठ/सहायक लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो सुनिश्चित। यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार विचलन हो तो संबंधित वित्त नियंत्रक इत्यादि का दायित्व होगा कि सूचना सम्पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को दे दी जाय।

10- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 19 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2515-अन्य ग्राम्य विकास

कार्यक्रम-00-102-सामुदायिक विकास-आयोजनागत-09-उत्तरांचल सार्वभौम रोजगार योजना-20
सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता की सुसंगत ईकाईयों के नामे डाला जायेगा।

11-उक्त स्वीकृति वित्त विभाग से अशासकीय संख्या-917/वि0अनु0-4/2007 दिनांक 30 मार्च,
2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

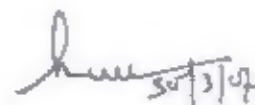
भवदीय

(पी0के0महान्ति)
सचिव।

संख्या-352-1/XI/06/56(23)/2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार(लेखा एवं हकदारी)उत्तराखण्ड,सहारनपुर रोड, माजरा देहरादून।
- 2-वरिष्ठ कोषाधिकारी,देहरादून/पौड़ी।
- 3-आयुक्त गढ़वाल/कुमायू मण्डल।
- 4- समस्त जिलाधिकारी,उत्तराखण्ड।
- 5- समस्त मुख्य विकास अधिकारी/अधिशायी निदेशक,जिला ग्राम्य विकास अभिकरण
उत्तराखण्ड।
- 6-समस्त जिला विकास अधिकारी,उत्तराखण्ड।
- 7-निदेशक,कोषागार एवं वित्त सेवाएँ,उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड,देहरादून।
- 8- निदेशक,राष्ट्रीय सूचना केन्द्र,देहरादून।
- 9- निजी सचिव-मा0मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड को मा0 मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 10- निजी सचिव, मुख्य सचिव,उत्तराखण्ड को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
- 11- वित्त (बजट नियन्त्रक),अनुभाग-4,उत्तराखण्ड शासन।
- 12- नियोजन विभाग,उत्तराखण्ड शासन।
- 13- समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ।
- 14- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संशासन,सचिवालय देहरादून।
- 15- मुख्य कार्यकारी अधिकारी,उत्तराखण्ड सूक्ष्म वित्त एवं आजीविका विकास सहकारी संस्थान,
देहरादून।
- 16- गार्ड फाईल।



(पी0के0महान्ति)
सचिव।